"विश्वविद्यालयों के लिए मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रक्रिया "
विषय पर
राष्ट्रीय वेबिनार
18 अगस्त,2020(मंगलवार)

रिपोर्ट

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा एवं राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालयों के लिए मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रक्रिया पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन मंगलवार 18 अगस्त को किया गया। कार्यक्रम के उद्धघाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने की। वेबिनार में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक), बेंगलुरू के सलाहकार डॉ. गणेश हेगड़े, उप सलाहकार डॉ. लीना गहाने, सहायक सलाहकार डॉ. ए. वी. प्रसाद एवं डॉ. एन. आर. मोहन ने विभिन्न सत्रों में अपने विचार व्यक्त किये।

उद्घाटन सत्र के स्वागत वक्तव्य में प्रतिकुलपति एवं आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. चंद्रकांत रागीट ने सभी का स्वागत करते हुए नैक के पदाधिकारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि देश के 41 केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों के सदस्य इस वेबिनार में सहभागिता कर रहे हैं। इस वेबिनार का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रक्रिया के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है ताकि शैक्षणिक संस्थानों में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

गूगल मीट के माध्यम से आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कोरोना त्रासदी का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षकों को कक्षा अध्यापन के अलावा ज्ञान सृजन की प्रक्रिया में नवाचारी दृष्टि की जरूरत है। भविष्य में आने वाली समस्याओं का मुकाबला करने के लिए शिक्षकों को तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की ओर से संस्थाओं का मूल्यांकन कर उन्हें अधिक से अधिक राष्ट्र और समाज के लिए उपयोगी बनाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के तटस्थतापूर्ण वास्तविक मूल्यांकन के लिए आईक्यूएसी तीसरी आँख की तरह काम करती है। उन्होंने वेबिनार को विश्वविद्यालय के साथ आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के पदाधिकारियों के प्रति आभार जताया।

प्रास्ताविक वक्तव्य में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू के सलाहकार प्रो. गणेश हेगड़े ने कहा कि नैक के मूल्यांकन की दृष्टि से विश्वविद्यालयों ने नवाचारी और अनुसंधान के कार्यक्रमों पर बल देना चाहिए। मशीनी अनुवाद के साथ-साथ अनुवाद अध्ययन के कार्यक्रम अधिक प्रभावी ढंग से चलाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा अध्यापन में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग, विद्यार्थी के हित में नवोन्मेषी उपक्रम और प्लेसमेंट जैसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देना चाहिए। हिंदी विश्वविद्यालय का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के नाम पर स्थापित विश्वविद्यालय में मूल्य शिक्षा के तहत सत्य, अहिंसा और आत्मनिर्भरता की दिशा में किए जाने वाले कार्य को

अधिक बढ़ावा दिया जा सकता है। उनका कहना था कि नैक के अच्छे मूल्यांकन के लिए प्रत्येक संस्था ने अपनी एक पहचान बनानी चाहिए।

उद्घाटन सत्र का संचालन विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी के सह-निदेशक डॉ. शंभू जोशी ने किया।

वेबिनार के **प्रथम सत्र** में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक), बेंगलुरू के सलाहकार डॉ. गणेश हेगड़े ने नैक संस्था के उद्देश्यों व कार्यों, मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रक्रिया तथा आईआईक्यूए के बारे में विस्तार से चर्चा की। उनके अनुसार शैक्षणिक संस्थान के लिए बहुत आवश्यक है कि वे अपने द्वारा किए गए कार्यों का उचित दस्तावेजीकरण करें। नैक द्वारा तैयार किए गए मैनुअल्स का उचित तरीके से अध्ययन कर आवेदन करें। नैक संस्थान पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अंतर्गत आवेदन, उसकी जांच, प्रदत्त जानकारी से संबंधित पूछताछ आदि कार्यों को सम्पन्न करता है। आवेदक संस्थाओं को इन सभी नियमों एवं प्रक्रियाओं की जानकारी अवश्य लेनी चाहिए। नैक आवदेन के समय आने वाली किसी भी समस्या के बारे में नैक संस्थान की हेल्पडेस्क पर संपर्क करना चाहिए।

दूसरे सत्र में नैक की उप सलाहकार डॉ. लीना गहाने ने सेल्फ स्टडी रिपोर्ट (एसएसआर)के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि नैक के आवेदन में एसएसआर सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं विस्तृत दस्तावेज है। इस दस्तावेज में विश्वविद्यालय की समस्त सम्पन्न गतिविधियों को निर्धारित प्रारूप में भरा जाता है। संस्थान को संख्यात्मक एवं गुणात्मक दोनों तरह की जानकारी इस रिपोर्ट में दर्ज करनी होती है। संस्थान को अपने द्वारा दी जानकारी के प्रमाणस्वरूप आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने चाहिए। नैक संस्थान द्वारा इस कार्य में सहयोग करने हेतु **standard operating procedure** (SOP) को अपलोड किया गया है। संस्थान इनकी सहायता से अपनी जानकारी को त्रुटिहीन तरीके से संपादित कर सकता है।

प्रथम एवं द्वितीय सत्र के समापन पश्चात प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने दोनों ही सत्रों के वक्ताओं के समक्ष नैक प्रक्रिया से संबंधित जिज्ञासाएं रखी और विशेषज्ञों द्वारा उनका समाधान किया गया। दोनों ही सत्रों का संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ.पीयूष प्रताप सिंह द्वारा किया गया।

तीसरे सत्र में नैक संस्था के सहायक सलाहकार डॉ. ए. वी. प्रसाद ने मूल्यांकन प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण आयाम आंकडा पुष्टि एवं सत्यापन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा प्रदत्त संख्यात्मक एवं गुणात्मक सूचनाओं की पुष्टिएवं सत्यापन तृतीय पक्ष द्वारा किया जाता है जिससे पारदर्शी सुनिश्चित होती है। इस प्रक्रिया में शैक्षणिक संस्थान को पूरा अवसर दिया जाता है कि वह अपना पक्ष रखे। संस्थान को अपनी जानकारी भरते समय केवल पूछे गए सवालों और संलग्न किए जाने वाले दस्तावेजों को ही प्राथमिकता देनी चाहिए। संदर्भ से रहित सूचना एवं दस्तावेज अपलोड करने से बचना चाहिए। यदि 5 एमबी से अधिक साइज की फाइल है तो उसे अपने संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड कर उसका लिंक आवेदन में देना चाहिए। किसी तरह की समस्या होने पर **standard operating procedure** (SOP) की सहायता लेनी चाहिए।

चौथे सत्र में नैक संस्था के सहायक सलाहकार डॉ. एन. आर. मोहन ने नैक के अंतर्गत विद्यार्थी संतुष्टि सर्वे, पीअर टीम के भ्रमण और उससे जुड़े आयामों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थी संतुष्टि सर्वे एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसमें विद्यार्थियों से अकादमिक आयाम से जुड़े प्रश्नों को पूछा जाता है और इसके लिए विद्यार्थियों की संख्या पूर्व में ही नैक द्वारा निर्धारित होती है। इससे संस्थान के अकादिमक पहलू पर विद्यार्थियों के पक्ष को जाना जाता है। नैक द्वारा पूर्व निर्धारित मानकों को पूरा करने वाले संस्थानों को पीअर टीम के भ्रमण के बारे में जानकारी दी जाती है। यह टीम विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत जानकारी की पुष्टि कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करती है।

तीसरे एवं चौथे सत्र के समापन पश्चात प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने दोनों ही सत्रों के वक्ताओं के समक्ष आंकड़ों की पुष्टि एवं सत्यापन तथा एसएसआर, पीअर टीम से संबंधित जिज्ञासाएं रखी और विशेषज्ञों द्वारा उनका समाधान किया गया। दोनों ही सत्रों का संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ.धरवेश कठेरिया द्वारा किया गया।

समापन पर डॉ. शंभू जोशी ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू के विशेषज्ञों का आभार ज्ञापित किया तथा वेबिनार में सहभागिता करने वाले देश भर के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के पदाधिकारियों और अध्यापकों को धन्यवाद दिया।

वेबिनार के कुछ छायाचित्र

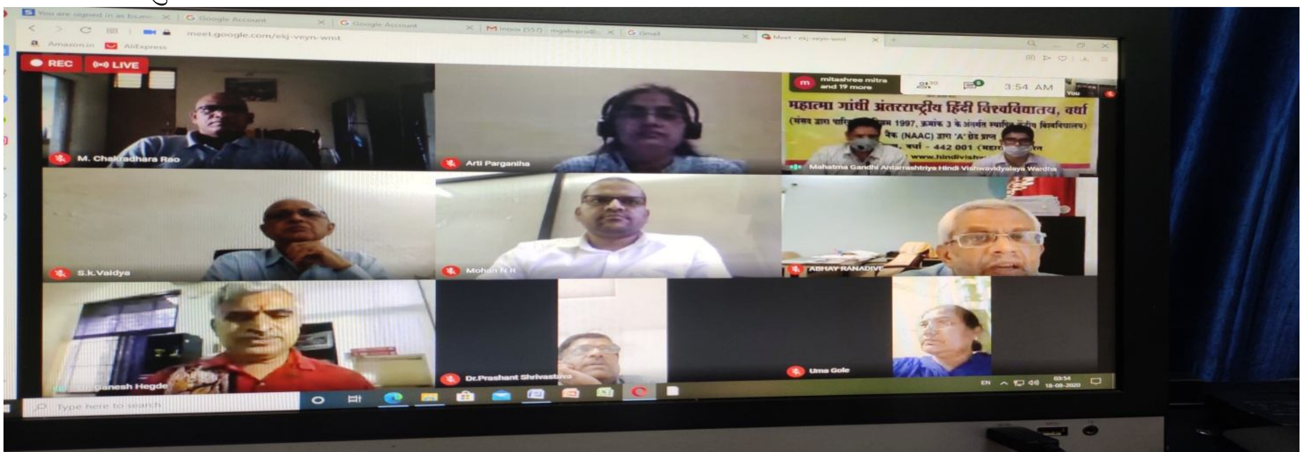

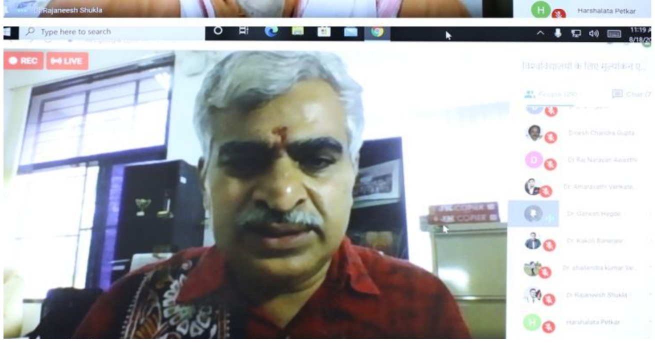

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
एवं
राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू
के संयुक्त तत्वावधान में

ज्ञान शांति मैत्री

संरक्षक

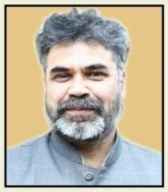

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल
(कुलपति)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

विश्वविद्यालयों के लिए मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रक्रिया
विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन

मंगलवार, दिनांक 18 अगस्त 2020

मार्गदर्शक

प्रो. चंद्रकांत एस. रागीट
(प्रतिकुलपति एवं निदेशक : आईक्यूएसी)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

वेबिनार वक्ता

डॉ. गणेश हेगड़े
(सलाहकार)
राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू

डॉ. लीना गहाने
(उप सलाहकार)
राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू

डॉ. ए. वी. प्रसाद
(सहायक सलाहकार)
राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू

डॉ. एन.आर. मोहन
(सहायक सलाहकार)
राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू

पंजीयन लिंक : https://forms.gle/XztU9sQPQYGvpKAX6
पंजीयन की अंतिम तिथि
शुक्रवार, 14 अगस्त, 2020

समन्वयक : डॉ. शंभू जोशी
मोबाइल नंबर : 9970865987
ईमेल आईडी : iqacmgahv@gmail.com

वेबिनार में भाग ले सकने वाले प्रतिभागी
आईक्यूएसी के निदेशक
कुलसचिव या विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि

पंजीयन प्रक्रिया

- पंजीयन हेतु उपलब्ध कराए गए लिंक के गूगल फार्म में मांगी गई जानकारी भरें। ● पंजीयन की अंतिम तिथि 14 अगस्त 2020 सायं 05 बजे तक।
- पंजीयन के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। ● कार्यक्रम विवरण, यूजर आईडी, पासवर्ड इत्यादि ईमेल के जरिये भेजा जाएगा।
- ई–प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए सभी पंजीकृत प्रतिभागियों को चारों सत्रों में सहभागिता करनी होगी। वेबिनार के दौरान उपलब्ध कराए गए लिंक पर फीडबैक देना अनिवार्य होगा। ● यदि फीडबैक नहीं दिया गया तो ई–प्रमाण पत्र भी नहीं दिया जाएगा।

पल प्रतिपल कार्यक्रम

समय	विवरण
11.00–11.30	**उद्घाटन सत्र – अध्यक्षता** : प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल, कुलपति **स्वागत वक्तव्य** : प्रो. चंद्रकांत रागीट, प्रतिकुलपति एवं निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चायन प्रकोष्ठ **प्रास्ताविक वक्तव्य** : डॉ. गणेश हेगड़े, सलाहकार, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू
11.30–12.30	**प्रथम सत्र – वक्ता** : डॉ. गणेश हेगड़े, सलाहकार, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू विषय : Overview of NAAC , A & A process and IIQA submission
12.30–01.30	**द्वितीय सत्र – वक्ता** : डॉ. लीना गहाने, उप सलाहकार, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू विषय : SSR submission
01.30–01.45	**प्रश्नोत्तर सत्र**
01.45–02.30	**भोजनावकाश**
02.30–03.30	**तृतीय सत्र – वक्ता** : डॉ. ए. वी. प्रसाद, सहायक सलाहकार, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू विषय : Data Validation and Verification Process
03.30–04.30	**चतुर्थ सत्र – वक्ता** : डॉ. एन. आर. मोहन, सहायक सलाहकार, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू विषय : SSS, PTV, Logistic and AOD
04.30–04.45	**प्रश्नोत्तर सत्र**
04.45 बजे से	**धन्यवाद ज्ञापन** – डॉ. शंभू जोशी, सह निदेशक, आईक्यूएसी

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
गांधी हिल्स, वर्धा - 442 001 (महाराष्ट्र) भारत
फोन : 07152-230902 फैक्स : 07152.230903 ई-मेल : registrar.mgahv@gmail.com वेबसाइट : hindivishwa.org

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

In association with

National Assessment and Accreditation Council (NAAC), Bangaluru

Organizes One-day Webinar on

"NAAC Assessment and Accreditation Process for Universities"

(Tuesday, 18 August 2020)

Patron

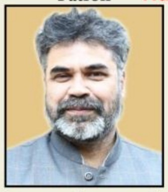

Prof. Rajaneesh Kumar Shukla
(Vice-Chancellor)
MGAHV, Wardha

Guidance

Prof. Chandrakant S. Ragit
(Pro Vice-Chancellor & Director-IQAC)
MGAHV, Wardha

Webinar Speakers

Dr. Ganesh Hegde
(Adviser)
NAAC, Bangaluru

Dr. Leena Gahane
(Deputy Adviser)
NAAC, Bangaluru

Dr. A. V. Prasad
(Asst. Adviser)
NAAC, Bangaluru

Dr. N. R. Mohan
(Asst. Adviser)
NAAC, Bangaluru

Registration Link : https://forms.gle/XztU9sQPQYGvpKAX6

Last date of Registration : Friday, 14 August, 2020

Convener : Dr. Shambhu Joshi
Mob No. 9970865987
Email : iqacmgahv@gmail.com

Who should attend ?
IQAC Directors
Registrar or Representative of University

Registration Formalities

- Please fill the Google form created for the registration purpose available on the link • Last date for registration is 14 August, 2020, 5.00 p.m.
- Registration is free of cost • Programme details, user id, password etc will be communicated through email.
- There will be 04 sessions and registered candidates have to be active during these sessions to get the E-certificate.
- Feedback form is mandatory and the link for feedback will be provided during the Webinar. E-certificates will be given, if feedback is submitted in time.

Minute to Minute Programme

Time	Programme
11.00–11.30	**Inaugural Session :** Chairman - Prof. Rajaneesh Kumar Shukla, Vice-Chancellor **Welcome Speech :** Prof. Chandrakant S. Ragit, Pro Vice-Chancellor & Director, IQAC **Chief Speaker :** Dr. Ganesh Hegde, Advisor, NAAC, Bangaluru
11.30–12.30	**Session - I : Speaker :** Dr. Ganesh Hegde, Advisor, NAAC, Bangaluru **Topic :** Overview of NAAC , A & A process and IIQA submission
12.30–01.30	**Session - II : Speaker :** Dr. Leena Gahane, Deputy Advisor, NAAC, Bangaluru **Topic :** SSR submission
01.30–01.45	Question Answer Session
01.45–02.30	Launch Break
02.30–03.30	**Session - III : Speaker :** Dr. A.V. Prasad, Assistant Advisor, NAAC, Bangaluru **Topic :** Data Validation and Verification Process
03.30–04.30	**Session - IV : Speaker :** Dr. N. R. Mohan, Assistant Advisor, NAAC, Bangaluru **Topic :** SSS, PTV, Logistic and AOD
04.30–04.45	Question Answer Session
04.45 onwards	Vote of thanks - Dr. Shambhu Joshi, Co-Director, IQAC

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
Gandhi Hills, Wardha - 442 001 (Maharashtra) INDIA
Phone : 07152-230902 Fax : 07152-230903 E-mail : registrar.mgahv@gmail.com Website : hindivishwa.org